

प्रेषक,

जे०पी०जोशी,  
रायुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक अभियोजन,  
उत्तराखण्ड,  
62, इन्दिरा नगर, देहरादून।

गृह अनुभाग-6, देहरादून।

दिनांक : ०५ दिसम्बर, 2009

विषय:- अभियोजन अधिष्ठान हेतु वित्तीय वर्ष 2009-2010 के लिये वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लेखानुदान से पूर्व में अवमुक्त धनराशि को सम्मिलित करते हुए, अभियोजन अधिष्ठान हेतु वित्तीय वर्ष 2009-2010 के लिये निम्न विवरणानुसार कुल रुपये-12,40,000 (रुपये बारह लाख चालीस हजार मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

| मानक मद  | प्रस्तावित धनराशि (हजार रु० में) |
|--|----------------------------------|
| 04-यात्रा व्यय                                 | 200                              |
| 05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय                     | 100                              |
| 08-कार्यालय व्यय                               | 190                              |
| 11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई             | 150                              |
| 12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण                  | 50                               |
| 16-व्या० एवं विशेष सेवाओं के लिये भुगतान       | 50                               |
| 26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र            | 50                               |
| 29-अनुरक्षण                                    | 50                               |
| 42-अन्य व्यय                                   | 100                              |
| 44-प्रशिक्षण व्यय                              | 50                               |
| 45-अवकाश यात्रा व्यय                           | 100                              |
| 46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय       | 50                               |
| 47-कम्प्यूटर अनु०/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय | 100                              |
| <b>कुल योग-</b>                                | <b>1240</b>                      |

(रुपये बारह लाख चालीस हजार मात्र)

2-- उक्त स्वीकृत धनराशि में से शासनादेश संख्या-581/बीस-6/02(05)2009, दिनांक-28.05.2009 द्वारा इन मदों हेतु लेखानुदान के अन्तर्गत जारी धनराशि भी सम्मिलित है। अतः तदनुसार उसका समायोजन किया जायेगा।

3- व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली एवं अन्य प्रभावी वित्तीय नियमों की अनुपालना की जायेगी।

4 जिन मामलों में वित्तीय नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व सक्षम स्तर की स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

5- शासन द्वारा समय-समय पर मितव्ययिता सम्बन्धी निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-205/रात्ताईस(1)2009, दिनांक-25.03.2009 एवं शासनादेश संख्या-515/सत्ताईस(1)2009, दिनांक-28.07.2009 में दिये गये प्राविधानों व दिशा-निर्देशों का पूर्णतया पालन भी सुनिश्चित किया जाय।

6- जारी स्वीकृति के सापेक्ष व्यय का विवरण निर्धारित प्रपत्र बी0एम0-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग तथा गृह विभाग को प्रतिमाह विलम्बतम 20 तारीख तक (पूर्व माह की सूचना) उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायें।

7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-2010 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-10 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2055-पुलिस-आयोजनेत्तर-800 अन्य व्यय-03 अभियोजन अधिष्ठान के अंतर्गत सुसंगत इकाइयों के नामें डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-425NP/XXVII(5)/09, दिनांक-01.12.2009 में प्राप्त सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(जे0पी0जोशी)

संयुक्त सचिव।

संख्या: 1652(1)/बीस-6/02(05)2009, तददिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1 महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- वित्त नियंत्रक, पुलिस मुख्यालय, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-5
- 5- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)

अनु सचिव।